Bihar Board Class 6 Hindi Notes Chapter 11 सरजू भैया

सरजू भया Summary in Hindi

पाठ का सार-संक्षेप

रामवृक्ष बेनीपुरी के घर के बगल में रहने वाले सरजू भैया बड़े ही नेक दिल, मिलनसार, मजाकिया, दयालु और हँसोड़ स्वभाव के व्यक्ति थे। कहानीकार उन्हें भैया कहते थे।

सरजू भैया एक सम्पन्न किसान तथा सुद पर रुपये का लेन-देन करने .. वाले पिता के पुत्र थे। साँवला स्वरूप बड़ी-बड़ी टाँगे, बड़ी-बड़ी बाँहें दुबले-पतले गाल पचके, धोती-कुर्ता और गमछा धारण किए सरजू भैया किसी भिखमंगे की तरह नजर आते थे। लेकिन वे जिन्दा दिल व्यक्ति थे। जिन्दा – दिल इसलिए कहा कि वे सदैव हँसते रहते थे। गाँव के किसी भी व्यक्ति की सेवा में तत्पर रहते थे। किसी को किसी चीज में नहीं कभी नहीं करते थे।

पिताजी के समय उनका अच्छी खेती-बारी, पैसे का काम लेन-देन भी अच्छा चल रहा था मकान भी सुन्दर था लेकिन पिता के मृत्यु के बाद प्रकृति ने भी उनके हालत बिगाड़ने में खूब सहायक बना । भूकम्प में घर टूट गया। बाढ़ और सुखाड़ से खेती नष्ट हो गई। जिसके यहाँ भी सूद पर पैसा दिया या सामने आकर रो देता तो मूलधन भी त्याग कर देते। स्थिति दिनों-दिन बिगड़ती गई। अब तो सरजू भैया को ही महाजन के पास सूद पर पैसा लेने के लिए जाना पड़ता है।

एक महाजन ने तो सरजू भैया का सीधापन का लाभ उठाकर सादे कागज पर अंगूठे का निशान ही लगवा लिया और अब सरजू भैया पर मुकदमा करने की बात भी करता है। सरजू भैया से लेखक ने भी कुछ रुपये लिए थे लेकिन लौटाया नहीं। क्योंकि सरजू भैया को जरूरत होगी तो माँग लेंगे, यह सोचकर लेखक अभी तक उनको रुपये नहीं लौटा सके।

सरजू भैया की पाँच लड़कियाँ मात्र थीं। जब पत्नी मर गई तो लेखक की मौसी ने सलाह दी कि-सरजू बउआ, शादी कर ले तो वंश चल जायेगा। उसी दिन लेखक की पत्नी रानी सरजू भैया से झगड़ने लगी, आपको शादी करना होगा, क्यों नहीं कीजिएगा। सरजू भैया ने जवाब में कहा, मैं शादी करूँ जिससे शर्मा जी (लेखक) को नई भौजाई से दिन-रात चुहल करने में मजा मिलेगा। यह कहकर सरजू भैया ठहाका मार कर हँस पड़े। रानी कुछ देर के लिए संकोच में पड़ गई। बाद में लेखक दोनों को देख चुपचाप मुस्कुराते रहे।

https://www.evidyarthi.in/